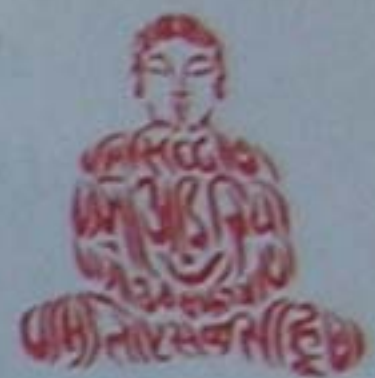




# आरती श्री णमोकार की

ॐ णमो अरिहंताणं, स्वामी णमो अरिहंताणं,  
णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं,  
णमो सिद्धाणं णमो आयरियाणं,



णमो उवज्झायाणं, ॐ णमो लोय सब्ब साहूणं ।। टेक ।।

प्रथमहि श्री अरिहंत जिनेश्वर गुण अनन्तधारी,  
स्वामी गुण अनन्तधारी ।

ज्ञान अनन्ते दर्श अनन्ते, ज्ञान अनन्ते दर्श अनन्ते,  
सुख बल भण्डारी, ॐ णमो अरिहंताणं..... ।। १ ।।

दूजै सिद्ध सदा सुखदाता, शिवपुर के वासी,  
स्वामी शिवपुर के वासी ।

पूर्ण शुद्ध परमात्म प्रभुजी, अविचल अविनाशी ।  
ॐ णमो प्रभु सिद्धाणं । ॐ णमो अरिहंताणं..... ।। २ ।।

तीजे श्री आचार्य परमगुरु, छत्तीस गुणधारी,  
स्वामी छत्तीस गुणधारी ।

पंचाचार अचारी स्वामी मुनिसंध संचारी ।  
ॐ णमो आयरियाणं । ॐ णमो अरिहंताणं..... ।। ३ ।।

चौथे श्री उवज्झाय गुरुजी, स्वाध्याय धारी,  
स्वामी स्वाध्याय धारी ।

ग्यारह अंग पूर्व चौदह के, ग्यारह अंग पूर्व चौदह के,  
नित अभ्यासकारी । ॐ णमो उवज्झायाणं ।

ॐ णमो अरिहंताणं ।  
पंचम सब मुनिराज लोक के, रत्नत्रय धारी,

स्वामी रत्नत्रय धारी ।  
आठ बीस गुण मूल सहित नित, स्वामी शुद्धात्म धारी ।

ॐ णमो सब्ब साहूणं ।। ॐ णमो अरिहंताणं..... ।। ४ ।।